कोटद्वार,सोमवार
1 जनवरी 2024
वर्षः 45
अंकः 240 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI-35469/79

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

साल के आखिरी मन की बात में मोदी ने गिनाई 2023 की उपलब्धियां

नई दिल्ली, आत्मविश्वास से लबरेज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नए साल के आगमन से पूर्व 2023 की उपलब्धियों को गिनाते हुए इसे 2024 में भी जारी रखने की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा, 2024 में हम फिर एक बार देश के लोगों की नई उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे।' इसके साथ ही उन्होंने देशवासियों को फिट रहने का मंत्र भी दिया। उन्होंने साफ किया कि विकसित भारत का लाभ उठाने के लिए फिट रहना जरूरी है और फिट इंडिया मूवमेंट से जुड़कर जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से आसानी से निपटा जा सकता है।

सोशल मीडिया पर चलेगा हैशटैग श्रीरामभजन

अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के पहले सोशल मीडिया पर भजनों को हैशटैग श्रीरामभजन के साथ शेयर करने का अनुरोध किया। भारतीय अध्यात्म और संस्कृति में 108 का विशेष महत्व बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मन की बात के 108वें एपिसोड में देशवासियों को नए साल की शुभकामनाएं दी। पीएम मोदी ने 2023 की चंद्रयान, जी–20 के आयोजन, एशियाई खेलों में रिकार्ड पदक, पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने, महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 फीसद आरक्षण सुनिश्चित करने जैसे ऐतिहासिक पलों को याद करते हुए कहा कि 'आज भारत का कोना–कोना, आत्मविश्वास से भरा हुआ है, विकसित भारत की भावना से, आत्मनिर्भरता की भावना से, ओत–प्रोत है। 2024 में भी हमें इसी भावना और मोमेंट को बनाए रखना है।'

सीएम ने सुनी पीएम के मन की बात

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को प्रेमनगर, सुद्धोवाला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ह्यमन की बातह्ल कार्यक्रम का 108वां संस्करण सुना। इस अवसर पर उन्होंने लेखक हरि सिंह बिष्ट द्वारा लिखी गई पुस्तक ह्लमन की बात–सकारात्मक संवाद से सशक्त भारतह्ल का विमोचन भी किया। इस पुस्तक में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम के 75वें संस्करण से 99वें संस्करण तक विस्तार से वर्णन किया गया है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री ने हमेशा देश वासियों को जोड़ने और समाज में बेहतर कार्य करने के लिए लोगों को प्रेरित किया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने का कार्य भी किया है। विभिन्न क्षेत्रों में शोध और अनुसंधान के साथ विशिष्ट कार्य करने वालों को इस कार्यक्रम के माध्यम से अलग पहचान मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने देशवासियों को जोड़ने और समाज सेवा से जुड़े कार्यों के लिए लोगों को प्रेरित करने के लिए 100 से अधिक बार मन की बात साझा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का देवभूमि उत्तराखण्ड से कर्म और मर्म का रिश्ता है।

कोरोना केस, 227 दिनों बाद आए सबसे ज्यादा मामले, तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली। देश में कोरोना मामलों में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीते 24 घंटे में कोरोना के 841 नए मामले सामने आए हैं। ये सामने 227 दिनों में सबसे अधिक आंके गए हैं।

एक्टिव केस भी बढ़े

कोरोना केस बढ़ने के साथ एक्टिव केस की संख्या भी 4,309 हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि सुबह 8 बजे के अपडेट के अनुसार, बीते 24 घंटे की अवधि में केरल, कर्नाटक और बिहार से एक–एक व्यक्ति की मौत के तीन नए मामले सामने आए हैं।

कोरोना के नए वेरिएंट से बढ़े मामले

इसी माह 5 दिसंबर तक दैनिक मामलों की संख्या घटकर दोहरे अंक में आ गई थी, लेकिन कोरोना के नए वेरिएंट जेएन.1 के सामने आने और ठंड के मौसम के बाद मामले फिर से बढ़ गए हैं।

तीन सालों में 5 लाख से ज्यादा की मौत

बता दें कि कोरोना महामारी जब चरम पर थी तो दैनिक मामलों की संख्या लाखों में थी, जो 2020 की शुरुआत में शुरू हुई और तब से लगभग चार वर्षों में देश भर में 4.5 करोड़ से अधिक लोग संक्रमित हो गए थे।

IHMS KOTDWAR
Institute of Hospitality, Management & Sciences
"Journey Towards Excellence"
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
Veer Madho Singh Bhandari Uttarakhand Technical University, Sri Dev Suman Uttarakhand University, Hemwati Nandan Bahuguna Garhwal University (A Central University)
Approved By: All India Council of Technical Education (AICTE), Government of Uttarakhand and Ministry of Education
Admissions Open 2024-25
LIMITED SEATS
CHM
(CERTIFICATE IN HOTEL MANAGEMENT)
WINTER BATCH
Admissions Start For (January 2024)
JOB OPPORTUNITIES
RAMADA · The Fern · CROWNE PLAZA · JAYPEE HOTELS & RESORTS · COUNTRY · COURTYARD Marriott AHMEDABAD · SAYAJI · WELCOMHOTEL · PRIDE · HYATT · TAJ HOTELS & RESORTS · Marriott HOTELS & RESORTS · RAFFLES
PROGRAMMES AVAILABLE
M.B.A. 2 Years | M.C.A 2 Years | B.H.M. 4 Years | B.B.A. 3 Years | B.C.A. 3 Years | B.Sc. IT 3 Years | C.H.M. 1 Year
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

रुड़की में पेट्रोल पंप मालिक की हत्या के बाद एक बार फिर फायरिंग की घटना से दहशत

रुड़की। पेट्रोल पंप मालिक की हत्या के बाद पनियाला रोड पर एक बार फिर फायरिंग की घटना से दहशत फैल गई जबकि पुलिस में हड़कंप मच गया। सूचना पर एसपी देहात और सीओ समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। जहां पता चला कि परिवार के लोगों ने बदमाशों के आने के भ्रम में हवाई फायरिंग की थी। जिसके बाद पुलिस ने राहत की सांस ली।

गंगनहर कोतवाली क्षेत्र स्थित पनियाला रोड पर एसआर पेट्रोल पंप मालिक जोगेंद्र बुधवार की रात घर के अंदर बने अपने दफ्तर में बैठे थे। इस दौरान तीन बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोली बरसाकर उनकी हत्या कर दी थी। बाइक सवार बदमाश सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए थे।

पेट्रोल पंप मालिक की हत्या के बाद से दहशत में परिवार

पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर पर तीन अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर लिया था और उनकी तलाश शुरू कर दी थी। वहीं, पेट्रोल पंप मालिक की हत्या के बाद से ही परिवार दहशत में है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात करीब दस बजे परिवार के लोगों को भ्रम हुआ कि बाइक पर तीन बदमाश फिर से किसी घटना को अंजाम देने आए हैं। परिवार के लोगों ने सुरक्षा के लिहाज से लाइसेंसी हथियार से तीन से चार राउंड हवाई फायरिंग कर दी।

फायरिंग की घटना से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और लोग घरों से बाहर निकल आए। फायरिंग की सूचना मिलते ही एसपी देहात एसके सिंह, सीओ पल्लवी त्यागी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटना की जानकारी ली।

बदमाशों के भ्रम में हवाई फायरिंग

बदमाशों के आने के भ्रम में फायरिंग की जानकारी पर पुलिस ने राहत की सांस ली और सीसीटीवी कैमरे चेक किए। जांच में कोई संदिग्ध नजर नहीं आए।

भाजपा नेता के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

देहरादून। चंपावत में भाजपा नेता द्वारा नाबालिग के यौन शोषण को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में गुस्सा व्याप्त है। रविवार को कांग्रेस महानगर अध्यक्ष डॉ. जसविंदर गोगी की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने एक्षे हॉल चौक पर भाजपा नेता एवं सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और पुतला फूंका।

अध्यक्ष गोगी ने कहा कि चंपावत में भाजपा नेता कमल रावत ने नाबालिग का यौन शोषण किया है, अभी तक उसे गिरफ्तार भी नहीं किया गया है। सीएम के विधानसभा क्षेत्र में इस तरह की घटना शर्मनाक है। महिलाओं के खिलाफ 26 प्रतिशत मामले बढ़े हैं। कहा भाजपा नेताओं द्वारा ऐसे अपराध भी लगातार बढ़ रहे हैं। जनता से दुर्व्यवहार किया जा रहा है। आरोपी नेता की तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई गई। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष पूरन सिंह रावत, प्रदेश महामंत्री मनीष नागपाल, प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसोनी, महिला महानगर अध्यक्ष उर्मिला थापा, सत्य पोखरियाल, सावित्री थापा, सोनम थापा, पूनम कंडारी, देवेंद्र सिंह, अभिषेक तिवारी, लकी राणा, यामीन खान, मुकीम अहमद, अवधेश कथेरिया , राजेश उनियाल, अर्जुन पासी, मुकेश रेगमी आदि मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः एकेश्वर ब्लाक के जनता इंटर कालेज मौंदाडी में पूर्व छात्र पुनमिलन व वार्षिकोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख नीरज पांथरी मुख्य अतिथि, जिपंस कोटा सीमा सजवाण ने द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को जीवन में लक्ष्य तय कर आगे बढ़ने की सीख दी। कहा कि छोटे- छोटे मंचों से ही बच्चों को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। इस दौरान विद्यालय को भूमि दान करने वाले लोग एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिपाल सिंह रावत ने की। इस मौके पर जोगेश्वर प्रसाद, ग्राम प्रधान परवीन सिंह, पुष्पेंद्र सिंह राणा, बिजेंद्र सिंह रावत, दीपक पोखरियाल, साबर सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

बाल मेले में बच्चों की प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः जानकी नगर स्थित रितेश शर्मा सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज जानकीनगर में प्रथम बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले में छात्र-छात्राओं ने स्व निर्मित्त वस्तुओं के स्टाल लगाए।

इस दौरान बच्चों की रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

विद्यालय मीडिया प्रभारी रोहित बलोदी ने बताया कि मेले का शुभारम्भ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात छात्रों द्वारा गणेश स्तुति प्रस्तुत की गई ।

मेलाधिकारी शिवराम बडोला के मार्गदर्शन में छात्र छात्राओं द्वारा स्वयं से फूड स्टॉल लगाए गए थे जिसमें पंजाबी, गढ़वाली एवं उत्तराखंड के विभिन्न भोज, भेलपुरी एवं फास्ट फूड कॉर्नर भी छात्र-छात्राओं ने लगाए।

इसके साथ ही कक्षाशः बैडमिंटन कबड्डी, खो खो, वॉलीबॉल आदि के मैच भी कराए गए। राम भक्ति एवं कृष्ण भक्ति के साथ ही छात्र-छात्राओं ने गढ़वाली लोक संस्कृति से संबंधित गीत व नृत्य प्रस्तुत किए। इस दौरान विद्यालय ने अपना यूट्यूब चैनल, फेसबुक पेज और वेब न्यूज़ पोर्टल का भी शुभारंभ किया।

इस अवसर पर अनिल भटनागर, राहुल भाटिया, संगीता रावत, राजन शर्मा, भूपेंद्र सिंह और राकेश चमोली सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनायें

जगदीश सिंह बिष्ट

यूपीपीएल कॉन्टेक्टर

ग्राम मरोड़ा ,थलीसैंण ,पौड़ी गढ़वाल

संक्षिप्त समाचार

ढाई साल में 40 भ्रष्टाचारी जेल पहुंचाए

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के ढाई साल के कार्यकाल में 40 भ्रष्टाचारियों को जेल पहुंचाया गया, जबकि नकल के मामले में 17 करोड़ से ज्यादा की अवैध संपत्ति जब्त की। वर्ष 2023 में राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार पर जोरदार प्रहार किया। पिछले कार्यकाल में शपथ लेने के तत्काल बाद शुरू हुआ यह क्रम दूसरे कार्यकाल में भी जारी रहा। इसी दौरान सरकार ने नकल माफियाओं पर प्रहार करते हुए, रिकॉर्ड 64 गिरफ्तारियां कर 24 के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई अमल में लाई। इन सभी की 17 करोड़ से ज्यादा की अवैध संपत्ति जब्त की गई। इसी दौरान आईएएस राम विलास यादव और आईएफएस किशनचंद की तक गिरफ्तारी हुई। विजिलेंस की कार्रवाई के बाद दोनों अफसरों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने भी आय से अधिक संपत्ति के मामले में कार्रवाई की हैं।

टोल फ्री नम्बर से आगे आए लोग

धामी ने अपने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती महीनों में ही विजिलेंस के पास शिकायत दर्ज कराने के लिए टोल फ्री नम्बर 1064 जारी किया। तब से राज्य में टोलफ्री नम्बर 1064 पर भ्रष्टाचार से जुड़ी करीब 423 शिकायतें मिली। जिनकी विजिलेंस गहनता से जांच कर रही है। इनमें कुछ मामलों में ट्रैप की कार्रवाई हो चुकी है, जबकि कुछ पर कार्रवाई गतिमान है

मंत्री गणेश जोशी ने विजय कॉलोनी में सुनी मोदी के मन की बात

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने विजय कॉलोनी में मसूरी विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 84 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम का 108वां संस्करण को पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुना।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात में गुजरात में डायरा की परंपरा, झारखंड के एक आदिवासी गांव के कुडुख भाषा, मिलेट्स, फिटनेस व राम मंदिर का भी जिक्र किया। मन की बात में उन्होंने युवाओं को फिट रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का ये 108 वां संस्करण था। हमारे सनातन संस्कृति में 108 अंक का विशेष महत्व है। उन्होंने प्रधानमंत्री को 108 वें संस्करण की बधाई भी दी। मंत्री जोशी ने कहा अयोध्या में राम मंदिर को लेकर पूरे देश में उत्साह है।

नए साल पर यातायात व कानून व्यवस्था सुधारने को पुलिस ने कसी कमर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नव वर्ष पर कानून व्यवस्था के साथ ही यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। सोमवार को पहाड़ के लिए अधिक यातायात दबाव होने पर वाहनों के रूट में भी बदलाव किया गया है। शहर में जाम की स्थित न हो इसके लिए यातायात पुलिस को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

सोमवार को नए साल पर पहाड़ी क्षेत्रों के लिए पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। मैदान से अधिकांश पर्यटक कोटद्वार से होते हुए पहाड़ की यात्रा पर निकलते हैं। ऐसे में कोटद्वार शहर में जाम की स्थिति पैदा न हो, इसके लिए पुलिस ने तैयारियां शुरू कर दी है। कोतवाली प्रभारी मणिभूषण श्रीवास्तव ने बताया कि नजीबाबाद की ओर से आने वाले सभी भारी व हल्के वाहनों को बालासौड़ तिराहे से देवी मंदिर होते हुए घराट रोड से डिग्री कालेज रोड होते हुए बुद्धापार्क की तरफ से पहाड़ की ओर भेजा जाएगा। साथ ही पर्वतीय क्षेत्र से आने वाले भारी व हल्के वाहनों को भी इसी रूट से मैदान की ओर भेजा जाएगा। बताया कि रूट डायवर्ट होने से शहर के भीतर जाम की समस्या नहीं रहेगी।

राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंट प्रतियोगिता में भाग लेगी मुस्कान

पौड़ीः एमईगिल जूनियर हाईस्कूल गड़ोली की छात्रा मुस्कान रावत का राष्ट्रीय स्तर की बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए हुआ है। प्रभारी जिलाशिक्षाधिकारी बेसिक सावेद आलम ने बताया कि मुस्कान 3 से 8 जनवरी तक दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की अंडर 14 बैडमिंटन प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। मुस्कान रावत को स्कूल की व्यायाम शिक्षिका उमा रौथाण ने बैडमिंटन की बारिकियां सिखाते हुए निखारने का काम किया है। मुस्कान के चयन पर स्कूल की प्रधानाध्यापिका अंजुल मैनसल, जिला खेल समंवयक कमल उप्रेती, सहायक समंवयक प्रदीप रावत, ललित बिष्ट ने खुशी जताते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

कांग्रेसियों ने फूंका प्रदेश सरकार का पुतला, आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः चंपावत जिले में दुष्कर्म के आरोपी भाजपा नेता की गिरफ्तारी की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि भाजपा सरकार दुष्कर्म के आरोपी को बचाने का प्रयास कर रही है। यदि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया गया तो कांग्रेस सड़क पर उतरकर आंदोलन चलाएगी।

रविवार को जिलाध्यक्ष विनोद डबराल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्त्ताओं ने तहसील तिराहे में प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए पुतला फूंका। जिलाध्यक्ष विनोद डबराल ने कहा कि चंपावत में भाजपा मंडल अध्यक्ष पर एक नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप है। बताया कि पीड़ति पक्ष के काफी देर हंगामा करने के बाद पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज तो कर दिया। लेकिन, अभी तक पुलिस ने उसे गिरफ्तार नहीं किया है, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चौपट हो गई है। महिलाओं दुष्कर्म व अनाचार के मामले भी लगातार बढ़ रहे हैं, जो कि चिंता का विषय है। कहा कि भाजपा सरकार हमेशा ही दुष्कर्म के आरोपितों को बचाने के पक्ष में खड़ी नजर आती है। मांग न जाने पर प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाने की मांग की है। इस मौके पर महिला जिलाध्यक्ष रश्मि पटवाल, रमेश खंतवाल, अमित राज सिंह, प्रवेश रावत, राजा आर्य, गोपाल गुंसाई, कृपाल सिंह मौजूद रहे।

कोटद्वार में तहसील तिराहे पर प्रदेश सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी

नयार घाटी पंचायत महोत्सव में दिखी सांस्कृतिक छटा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार/सतपुलीः नयारघाटी पंचायत महोत्सव का अंतिम दिन स्थानीय कलाकारों के नाम रहा। गायक जीतू पहाड़ी, हेमंत बिष्ट ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी। जिस पर दर्शक झूम उठे। इसके अलावा महिला मंगल दल ने भी लोक संस्कृति पर कई कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

महोत्सव के अंतिम दिन आयोजित किए गए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

गायक जीतू पहाड़ी ने अपनी नई एल्बम चल छौरी के गीतों की प्रस्तुति। वहीं फिल्मी कलाकारों की भी मिमक्री कर लोगी को खूब हंसाया। स्थानीय गायक हेमंत बिष्ट ने मेरी बो सुशीला बो गीत की प्रस्तुति दी। सतपुली में पंचायत महोत्सव में रविवार को रंगारंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दिगमोहन नेगी सामाजिक कार्यकर्ता, विशिष्ट पुरण जैरवान और कार्यक्रम अध्यक्ष मनीष रौंतेला ने दीप प्रज्वलित के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पहुंचें लोगों ने नन्हे बच्चों की खूब प्रशंसा की। वहीं महिला मंगल दलों द्वारा धडिया चौंफला की प्रस्तुति दी। पूर्व प्रधान व महोत्सव समिति अध्यक्ष जगदंबा प्रसाद डंगवाल और आयोजन साथियों के द्वारा मुख्य अतिथि और आगुंतकों का फूल मालाओं और शाल ओड़कर स्वागत किया गया । इस मौके पर महोत्सव के आयोजक जगदंबा डंगवाल, कुसुम खंतवाल, इंदु जुयाल, लोकेश वर्मा, सुनिल डंडरियाल, संजय कुकरेती, सुनील भट्ट, रोहन नेगी, चंद्रकला आर्य, मीना लिंगवाल, गंगा खंतवाल, अमित रावत, पार्थ जुयाल, रणधीर सिंह आदि मौजूद रहे। संचालन अचलानंद डांडरियाल ने किया।

महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देती महिलाएं

एसोसिएशन ने उठाई छात्रवृत्ति आवेदन तिथि बढ़ाने की मांग

कोटद्वारः अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार से समाज कल्याण विभाग की ओर से प्राथमिक से माध्यमिक वर्ग तक दी जाने वाली एस सी, एस टी, ओबीसी छात्रवृत्ति की आवेदन तिथि 30 जनवरी तक बढ़ाने की मांग की है। इस संबध में मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह आर्य व महामंत्री जगदीश राठी ने कहा है कि वर्तमान में समाज कल्याण विभाग की ओर से प्राथमिक से माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत एससी, ओबीसी व एसटी छात्रों की छात्रवृत्ति के लिए आनलाइन आवेदन मांगे जा रहे हैं। इसकी अंतिम तिथि 31 दिसंबर रखी गई थी। वहीं आनलाइन आवेदन की जटिल प्रक्रिया के कारण अभी तक केवल 15 प्रतिशत छात्र ही छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर पाये हैं। आवेदन करने वाले छात्रों व अभिभावकों को मोबाइल में ओटीपी न आने, सीएससी सेंटरों का गांवों से दूर होना सहित अन्य कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए छात्र हित में छात्रवृत्ति आवेदन तिथि को 30 जनवरी 2024 तक बढ़ाया जाना चाहिए।

मशरूम उत्पादन से जुड़कर आत्मनिर्भर बने महिलाएंः दिव्या

आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती मशरूम ब्रांड अम्बेसडर दिव्या रावत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मशरूम ब्रांड अम्बेसडर दिव्या रावत ने महिलाओं से मशरूम उत्पादन से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की अपील की है। कहा कि इससे महिलाएं स्वयं के साथ ही अपने पारिवार की आर्थिकी को मजबूत कर सकती हैं।

काशीरामपुर तल्ला स्थित मिनी स्टेडियम में सीडीएस स्व. जनरल विपिन रावत की स्मृति में महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरंभ मशरूम ब्रांड अम्बेस-डर दिव्या रावत ने दीप प्रज्वलित व स्व. जनरल विपिन रावत के चित्र पर पुष्पांजलि कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिवंगत जनरल विपिन रावत हमारे आदर्श है और वे सेना के शीर्ष पद तक पहुंचे, जो हम सभी को गर्व की अनुभूति कराता है। बताया कि उनसे मिलने का सौभाग्य उन्हें राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित होने के दौरान मिला था। उस समय उन्होंने मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों पर खुशी व्यक्त की थी। कहा कि उन्होंने मशरूम उत्पादन को मिशन के रूप में अपनाया। इसमें उन्हें आम लोगों का साथ मिला जिन्होंने इसे स्वरोजगार के रूप में अपनाया। कोरोना के दौरान आर्थिक तंगी से जूझ रहे घर वापस आए लोगो ने मशरूम उत्पादन कर अपनी आर्थिकी मजबूत की। आज स्वरोजगार की दृष्टि से मशरूम उत्पादन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है जिससे लोगों की आर्थिकी मजबूत हुई है। कहा कि अन्य लोगों को भी मशरूम उत्पादन को स्वरोजगार के तौर पर आरंभ कर अपनी आर्थिकी को मजबूत बनाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस दौरान कार्यक्रम आयोजक संजीव थपलियाल, सुनील रावत, रिंकी बलूनी व रेखा कंडारी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

युवा कांग्रेस व एनएसयूआई ने फूंका सरकार का पुतला

पौड़ी में प्रदेश सरकार का पुतला दहन करते कार्यकर्ता

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः भाजपा नेता के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से आक्रोशित युवा कांग्रेस पौड़ी व एनएसयूआई ने प्रदेश सरकार का पुतला दहन किया। कहा कि भाजपा के मंडल अध्यक्ष कमल रावत के द्वारा एक नाबालिग के साथ कई बार दुष्कर्म का किया गया। जिससे भाजपा की महिलाओं के प्रति कुपोषित मानसिकता का पता चलता है। युवा कांग्रेस व एनएसयूआई ने सीएम के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की।

रविवार को पुराने डीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए युवा कांग्रेस व एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने कहा कि बेटी के साथ अत्याचार के मामले में भाजपा के नेता ही शामिल होते है। आरोप लगाया कि अंकिता भंडारी हत्याकांड, बृजभूषण, कुलदीप सेंगर के बाद अब कमल रावत का नया प्रकरण सामने आया है। मुकदमा दर्ज होने के बाद भी भाजपा के संगठन के द्वारा कोई कार्यवाही न करना उनके बेटी पढ़ाओ और बेटी बचाओं के नारे की असली हकीकत को दर्शाता है। विरोध करने वालों में युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहित सिंह, एनएयूआई के जिलाध्यक्ष राजेश भंडारी, प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस आशीष नेगी, विधानसभा अध्यक्ष आयुष भंडारी, उपाध्यक्ष संजना गुजराल, नगर अध्यक्ष कांग्रेस भरत सिंह रावत, प्रमोद सिंह, विद्या सेमवाल, अखिल सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

ब्लू हाउस ने जीते सबसे अधिक पदक

कोटद्वारः कोटद्वार स्थित बलूनी पब्लिक स्कूल में आयोजित वार्षिक खेल महोत्सव का समापन हो गया है। खेल महोत्सव में आयोजित प्रतियोगताओं में सबसे अधिक पदक जीतकर ब्लू हाउस ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

खेल महोत्सव के समापन का आरंभ मुख्य अतिथि राजकीय महाविद्यालय गोपेश्वर की बीएड विभागाध्यक्ष प्रो. स्वाति नेगी व अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। बलूनी क्लासेस की मैनेजिंग डायरेक्टर अभिलाषा भारद्वाज ने सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। तत्पश्चात छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वार्षिक खेल महोत्सव में आयोजित प्रतियोगिताओं में ब्लू हाउस ने सबसे अधिक पदक जीतकर पहला स्थान प्राप्त किया। यलो हाउस द्वितीय और ग्रीन हाउस तृतीय स्थान पर रहा। विजेता तथा उपविजेता हाउस को चैपियंस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रबंधन ने 110 छात्र-छात्राओं को बांटी स्वेटर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः बढ़ती सर्दी को देखते हुए राइंका कोटद्वार के विद्यालय प्रबंधन की ओर से विद्यालय में अध्ययनरत 110 जरूरतमंद छात्र–छात्राओं को स्वेटर एवं स्कूल शूज वितरित किए गए।

विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य मुकेश रावत, पीटीए अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल, वरिष्ठ प्रवक्ता डा. पद्मेश बुडाकोटी व पूर्व शिक्षक सादर सिंह रावत ने निर्धन छात्र निधि से विद्यालय के जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को स्वेटर तथा स्कूल शूज प्रदान किए। प्रधानाचार्य मुकेश रावत ने कहा कि निर्धन छात्र निधि के अतिरिक्त भी विद्यालय के संपूर्ण स्टाफ के सहयोग से निर्धन व जरूरतमंद छात्र– छात्राओं की पठन पाठन और गणवेश संबंधी सभी जरूरतें पूरी की जा रही हैं। बाढ़ प्रभावित परिवारों के 12 बच्चों को भी विद्यालय ने आर्थिक मदद उपलब्ध कराई है। पीटीए अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल ने कहा कि विद्यालय की इस नेक पहल के जरिए जरूरतमंद छात्रों को अपने शैक्षणिक मिशन पर आगे बढ़ने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक- शिक्षिका और कर्मचारी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित करते सदस्य

समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनायें

शांति देवी

जिला पंचायत अध्यक्ष

पौड़ी गढवाल, उत्तराखण्ड

ग्रामीणों को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

पौड़ीः बस अड्डे पर आयोजित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में लोगों को केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को ध्यान में रखते हुए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा योजनाएं धरातल पर उतारी गई हैं। जिसका लाभार्थियों को पूरा लाभ मिल रहा है। इस मौके पर विधायक ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की उपलब्धियां को गिनाई। वहीं कार्यक्रम स्थल पर लगे विभागीय स्टालों व यात्रा रथ में लगी एलईडी के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी लोगों को दी गई। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उज्जवला गैस योजना सहित अन्य योजनाओं पात्र लाभार्थियों को योजनाओं से लाभान्वित किया गया। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष सुषमा रावत, सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश जुगराण, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष मयूर भट्ट, जिला अध्यक्ष अनु मोर्चा नरेंद्र टम्टा, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान की जिला संयोजक बबीता रावत, ईओ गौरव भसीन आदि शामिल रहे।

लिंगानुपात कम होने पर आशाएं देंगी जवाब

पौड़ीः स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक में डीएम ने लिंगानुपात में सबसे अधिक गिरावट वाले ग्राम पंचायत की आशाओं का स्पष्टीकरण लेते हुए जांच के निर्देश अफसरों को दिए। डीएम डा.आशीष चौहान ने वर्जुअल माध्यम से लिंगानुपात को बैठक में कहा कि जिन गांवों में लिंगानुपात में भारी गिरावट पाई गई है वहां फिर से जांच कर रिपोर्ट दी जाए। बैठक में बताया गया कि गर्भधारण पूर्व व प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994 के तहत लिंगानुपात को लेकर पूर्व में किए गए सर्वे के आधार पर 43 गांव में लिंगानुपात में भारी गिरावट पाई गई थी। सर्वे के आधार पर जिले के सभी 15 ब्लाकों में से जयहरीखाल व थलीसैंण ब्लाक का लिंगानुपात सही पाया गया था। जबकि 13 ब्लाकों के ग्राम पंचायतों में लिंगानुपात में गिरावट पाई गई, जिसमें सबसे अत्यधिक यमकेश्वर व बीरोंखाल हैं। डीएम ने कम लिंगानुपात पर नाराजगी व्यक्त करते हुए लिंगानुपात को लेकर जिला स्तरीय समिति का गठन करते हुए 43 गांव की सभी आशाओं की रिपोर्ट की जांच कर फिर से सर्वे करने व डाटा अपडेट कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. पारुल गोयल, डा. रमेश कुंवर, जिला समंवयक आशीष रावत आदि शामिल रहे।

सुबोध अध्यक्ष व जिंदल बने महासचिव

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः अखिल भारतीय वैश्य महासंगठन की बैठक महेंद्र कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें कोटद्वार इकाई का गठन किया गया। सर्वसम्मति से सुबोध अग्रवाल को अध्यक्ष व रामप्रसाद जिंदल को महासचिव बनाया गया। अन्य पदों में गोपाल बंसल को उपाध्यक्ष, अनिल कुमार सिंघल को कोषाध्यक्ष का दायित्व दिया गया।वेद प्रकाश माहेश्वरी, दिनेश एरन को संरक्षक बनाया गया है। इस मौके पर प्रदेश संयोजक राकेश अग्रवाल, गोविंद राम गुप्ता, मनोज अग्रवाल, श्याम अग्रवाल, रजनीश् अग्रवाल, अंजना गोयल मौजूद रहे।

राज्यपाल ने दी प्रदेशवासियों को नववर्ष 2024 की बधाई एवं शुभकामनाएं

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने समस्त प्रदेशवासियों को नव वर्ष 2024 की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। पूर्व संध्या में जारी अपने संदेश में राज्यपाल ने नव वर्ष 2024 में समस्त प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और सभी के जीवन में प्रगति, खुशहाली एवं सुख–समृद्धि की कामना की है।

राज्यपाल ने कहा कि यह नव वर्ष आपसी प्रेम, भाईचारे, सौहार्द एवं शांति का मार्ग प्रशस्त करे। उन्होंने कहा की नव वर्ष नए संकल्प के साथ एक नवीन आरम्भ का अवसर है।

देवप्रयाग के छात्र–छात्राओं ने जीते पुरस्कार

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओ में श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग व पतंजलि गुरुकुलम, मूल्या गांव के छात्र–छात्राओं ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अनेक पुरस्कार जीते। फरवरी में अयोध्या में होने वाली राष्ट्रीय स्पर्धाओं में सभी विजयी प्रतिभागी हिस्सा लेंगे।

श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविधालय, हरिद्वार में आयोजित स्पर्धाओं में पतंजलि गुरुकुलम की 11 छात्राओं ने 9 प्रतियोगिताओ में भाग लिया। जिसमें सांख्ययोग भाषण में शुभांगिनी आर्या, अर्थ शास्त्र शलाका में शांभवी व धातुरूप कंठपाठ में अंकिता प्रथम रही। जबकि सुभाषित कंठपाठ में अनुष्का, काव्य कंठपाठ में श्रेरेया, अमरकोश कंठपाठ में ऋचा ने द्वितीय स्थान जबकि भगवतगीता पाठ में स्वाति, अष्टाध्यायी में प्रिया कुमारी, शास्त्रीय स्फूर्ति स्पर्धा में शुभांगिनी आर्या व सुभाषित कंठपाठ में अंशिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग के छात्रों ने चार स्पर्धाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया।दो स्पर्धाओं में उन्होंने द्वितीय तथा एक में तृतीय स्थान प्राप्त किया। परिसर के 10 विद्यार्थियों ने स्पर्धाओ में भाग लिया था। जिसमे न्यायभाषण में गिरीश भट्ट, ज्योतिष शलाका में उज्वल बलोनी, वेदभाष्यभाषणम में मोहित शर्मा प्रथम रहे। वहीं स्फूर्ति स्पर्धा में गिरीश भट्ट व कुशाग्र अत्रि प्रथम रहे। सांख्ययोग भाषण में श्रीकृष्णन् व वेद भाष्य भाषण में अभिषेक गौड़ द्वितीय रहे। जबकि श्लोक अन्ताक्षरी स्पर्धा में आयुष रतूडी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने विजयी छात्र–छात्राओं की सराहना करते राष्ट्रीय स्पर्धाओं की तैयारी में जुटने को कहा।

चमियाला और घनसाली में पानी की किल्लत होगी दूर

नई टिहरी। नगर पंचायत चमियाला व घनसाली के लिए पम्पिंग योजनाओं को शासन से 53 करोड़ 50 लाख रु की स्वीकृति प्राप्त हुई है। जिससे घनसाली व चमियाला बाजारों में पेयजल की किल्लत से निजात मिल पाएगी।क्षेत्रीय विधायक शक्तिलाल शाह ने बताया कि, वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत की ओर से दोनों नगर पंचायतों के लिए बालगंगा व भिलंगना नदियों से पम्पिंग योजनाओं की घोषणा की गई थी। जिसके बाद उत्तराखंड सरकार ने केंद्र को प्रस्ताव भेजा। केंद्र सरकार ने चीन की एजेंसी को प्रस्ताव भेजा लेकिन कोरोना व अन्य कारणों से स्वीकृति नही मिल पाई। जिसके बाद जापान की इंटरनेशनल कारपोरेशन एजेंसी जायका के तहत दोनों योजनाओं के लिए वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हुई। जिसमें चमियाला के लिए 27 करोड़ 15 लाख व घनसाली के लिए 26 करोड़ 35 लाख रु पम्पिंग योजनाओं के लिए स्वीकृत हुए।उन्होंने बताया कि योजनाओं की वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। पेयजल योजनाओं की स्वीकृति मिलने पर भाजपा नेता आनंद बिष्ट, केदार बर्तवाल, गोविंद सिंह राणा व मंडल अध्यक्ष कविता तिवाड़ी ने विधायक का आभार जताया है।

छात्र हितों में वक्ताओं ने एनईपी पर जानकारी दी

नई टिहरी। उत्तराखंड मुक्त विवि के अध्ययन केंद्र पीजी कॉलेज नई टिहरी में नई शिक्षा नीति(एनईपी) 20–20 पाठ्यक्रम के तहत मुक्त विवि अध्ययन केंद्र की ओर से कार्यशाला का आयोजित की गई। कार्यशाला में वक्ताओं ने छात्र हितों में कई जानकारी दी गई।रविवार को नई टिहरी पीजी कॉलेज में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ उत्तराखंड मुक्त विवि कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी तथा कॉलेज प्राचार्या प्रो. पुष्पा नेगी दीप प्रज्वलित कर किया। विवि कुलपति ने कहा कि छात्रों की सुविधा हेतु भविष्य में ऑनलाइन मोड में भी कक्षाओं के संचालन की व्यवस्था अध्ययन केन्द्रों से की जाऐगी,

समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनायें

बीएस गुसांई

क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी

ग्राम मरोड़ा विकास खंड पावौ,पौड़ी गढवाल।

समस्त देश एवं प्रदेशवासियों को नववर्ष 2024 की हार्दिक शुभकामनायें

अमर सिंह नेगी

डायरेक्टर (उत्तराखंड एप्पल फेडरेशन

जिला पंचायत सदस्य (चौथान)

जिला अध्यक्ष (किसान मोर्चा) भारतीय जनता पार्टी

सम्पादकीय

नीतीश बचेंगे या खत्म होंगे?

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने अस्तित्व का संकट है। वे राष्ट्रीय जनता दल के साथ मिल कर सरकार चला रहे हैं लेकिन राजद की ओर से उनको कमजोर करने की कोशिश हो रही है। वे भाजपा के साथ जाना चाहते हैं लेकिन भाजपा को भी पूरी तरह से सरेंडर चाहिए। जानकार सूत्रों का कहना है कि राजद और भाजपा दोनों बिहार की राजनीति से नीतीश फैक्टर को खत्म करना चाहते हैं। असल में बिहार की राजनीति में पिछले करीब तीन दशक से नीतीश कुमार एक धुरी बने हुए हैं और वह भी बिना किसी मजबूत जातीय आधार के। उन्होंने 1994 में समता पार्टी बनाई थी और तब से वे बिहार के राजनीति के सबसे अहम किरदार हैं।

लेकिन अब दोनों बड़ी पार्टियां– राजद और भाजपा उनको खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने अपनी ओर से ऐलान किया है कि 2025 का विधानसभा चुनाव तेजस्वी यादव के चेहरे पर लड़ा जाएगा। लेकिन बताया जा रहा है कि लालू प्रसाद चाहते हैं कि नीतीश अभी तुरंत तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनाएं। यह भी कहा जा रहा है कि पिछले साल अगस्त में जब नीतीश ने भाजपा को छोड़ा था तब लालू प्रसाद के साथ उनका समझौता हुआ था कि वे एक साल में तेजस्वी को गद्दी सौंप देंगे। सो, लालू की ओर से नीतीश पर भारी दबाव है। लालू परिवार के कई सदस्य राज्य की सत्ता का केंद्र बने हैं, इससे भी नीतीश को समस्या है। इसके अलावा लालू की पार्टी के विधायक और मंत्री जैसे सुनील सिंह, चंद्रशेखर, सुधाकर सिंह आदि लगातार नीतीश के खिलाफ बयान दे रहे हैं। लालू प्रसाद को लग रहा है कि अगर तेजस्वी अभी सीएम नहीं बने तो बेटे को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखने की उनकी हसरत पूरी नहीं होगी और अगर नीतीश फैक्टर बने रहे तो मंडल, समाजवादी और पिछड़ों की राजनीति पूरी तरह से राजद के हाथ में नहीं आएगी। दूसरी ओर भाजपा ने नीतीश फैक्टर को खत्म करने की कोशिश 2020 के विधानसभा चुनाव में भी की थी। तब वे भाजपा के साथ ही मिल कर चुनाव लड़ रहे थे लेकिन भाजपा की शह पर चिराग पासवान ने नीतीश की पार्टी के हर उम्मीदवार के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतार दिया था। सोचें, तब नीतीश राजद–कांग्रेस गठबंधन के खिलाफ तो लड़ ही रहे थे लोक जनशक्ति पार्टी के भी खिलाफ लड़ रहे थे, जिसके पीछे भाजपा की ताकत थी। भाजपा के अनेक बड़े नेता लोक जनशक्ति पार्टी की टिकट से चुनाव लड़े थे। फिर भी नीतीश 43 सीट जीत कर आए।

लेकिन वे काफी कमजोर हुए और राजद व भाजपा के बाद तीसरे नंबर की पार्टी रह गए। तभी से वे भाजपा से बदला लेना चाहते हैं तो राजद को भी गद्दी नहीं देना चाहते हैं। इस बात को राजद और भाजपा दोनों ने समझा हुआ है। इसलिए कोई मौका नहीं देना चाहता है। भाजपा चाहती है कि वे मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ें, भाजपा का सीएम बनाएं तभी समझौता होगा। नीतीश सीएम रहते हुए तालमेल चाहते हैं और साथ ही लोकसभा के साथ ही विधानसभा का चुनाव कराना चाहते हैं। वे यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि बाद में भाजपा फिर कोई चिराग पासवान टाइप का दांव न चले तो दूसरी ओर भाजपा चाहती है कि उनकी ऐसी हालत कर दी जाए कि वे फिर गठबंधन बदल नहीं कर सकें। सो, उनके एक तरफ कुआं और दूसरी ओर खाई है। दोनों में से कोई उनको सीएम नहीं रखना चाहता है। ऊपर से उनका स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं है। तभी यह देखना दिलचस्प है कि वे हर बार की तरह इस बार भी संकट से निकलते हैं या बिहार की राजनीति से नीतीश अध्याय की समापति होती है?

डीपफेक पर लगाम जरूरी

भारत में भी डीपफेक का इस्तेमाल कर ऐसे लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जो सेलिब्रिटी हैं या फिर राजनीति से ताल्लुक रखते हैं। निर्विवाद रूप से यह नई तकनीक का दुरुपयोग है। यह एक तरह की आपराधिक गतिविधि भी है, जिस पर रोक लगाना अनिवार्य है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स को इसे रोकने की जिम्मेदारी उठानी पड़ेगी।

भारत सरकार के बारे में यह आम धारणा ठोस रूप ले चुकी है कि वह हर माध्यम और संस्था पर अपना शिकंजा कसना चाहती है। एक दूसरी धारणा यह है कि उसकी ऐसी हर कार्रवाई दलगत नजरिए से एकतरफा होती है। यही कारण है कि डीपफेक के बारे में सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स के लिए उसकी जारी ताजा एडवाइजरी ने कई हलकों में गहरी आशंकाओं को जन्म दिया है। वरना, डीपफेक तकनीक को लेकर चिंताएं सारी दुनिया में हैं। लगभग सभी देशों में आर्टिफिशिलय इंटेलीजेंस (एआई) तकनीक को विनियमित करने पर विचार हो रहा है। ऐसे में भारत सरकार भी ऐसे कदम उठाए, यह लाजिमी है। लेकिन उसके ऐसे कदम से समाज के एक हिस्से अंदेशे गहरा जाते हैं, तो उसका कारण सिर्फ सरकार का अपना रिकॉर्ड है। बहरहाल, केंद्र ने डीपफेक समस्या को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। उसने सभी सोशल मीडिया कंपनियों को सूचना प्रौद्योगिकी नियमों का पालन करने की सलाह दी है। इससे पहले इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एक एड़वाइजरी जारी कर चुका है।

ताजा एडवाइजरी में मंत्रालय ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यूजर्स को आईटी नियमों के तहत प्रतिबंधित कंटेंट को प्रकाशित ना करने के बारे में जागरूक करना चाहिए। यूजर्स को फर्जी वीडियो, मैसेज या कंटेंट डालने से रोकने का काम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का है। मकसद यह है कि ऐसी गतिविधि से अन्य यूजर्स को नुकसान ना हो। यह बताना भी इन्हीं प्लैटफॉर्म्स का दायित्व है कि आईटी कानून के नियम का पालन नहीं करने पर यूजर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। बीते नवंबर में भी केंद्र ने एक आदेश जारी कर डीपफेक वीडियो की पहचान करने और उन्हें हटाने के लिए कहा था। यह सच है कि दुनिया के कई दूसरे देशों की ही तरह भारत में भी डीपफेक का इस्तेमाल कर ऐसे लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जो सेलिब्रिटी हैं या फिर राजनीति से ताल्लुक रखते हैं। निर्विवाद रूप से यह नई तकनीक का दुरुपयोग है।

मूलनिवास का मूलचिन्तन

पार्थसारथी थपलियाल

गढ़वाल और कुमाऊं संभागों से युक्त सांस्कृतिक उत्तराखंड स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 8 नवंबर 2000 तक उत्तर प्रदेश राज्य का हिस्सा रहा। लंबे संघर्ष के बाद 9 नवंबर 2000 को उत्तराखंड राज्य अस्तित्व में आया। उत्तराखंड राज्य का क्षेत्रफल 53,483 वर्ग किलोमीटर है। इसका 86.7 प्रतिशत भू–भाग पर्वतीय और 13.93 भू–भाग मैदानी है। राज्य का 63 प्रतिशत भू–भाग वनाच्छादित है। कृषि योग्य भूमि 14 प्रतिशत है। पर्वतीय क्षेत्र में कृषि योग्य भूमि बहुत कम है। उत्तराखंड राज्य बनने का लाभ राजनीति में घुसे कुछ लोगों के अलावा जन सामान्य को नही मिला। युगों से धरती के जिस भू–भाग पर हम पीढ़ी दर पीढ़ी बसते हैं उस पर इंसान का जुड़ाव भी व्यक्त होता है। वह व्यक्ति उस स्थान का मूलनिवासी (ठंइपी) होता है।" अन्य स्थान से बसने वाला निवासी हो सकता है लेकिन मूल निवासी नही हो सकता। उदाहरण के लिए पौड़ी का एक परिवार दिल्ली में निवास करने लग जाय तो वह दिल्ली निवासी कहलायेगा लेकिन मूल निवासी गढ़वाल का कहलायेगा। पौड़ी वालों के लिए वह व्यक्ति प्रवासी हो जायेगा। भारत में जन्मा हर आदमी भारत का नागरिक है। उत्तराखंड–लोकशासन के राजनेताओं ने बहुत बड़ी चालाकी से अपना समर्थकवर्ग तैयार करने के लिए सबसे पहले उत्तराखंड का निवासी होने का आधार उत्तराखंड राज्य के स्थापना दिवस को माना। भारत के सभी राज्यों में मूल निवासी होने का आधार भारत के राष्ट्रपति द्वारा इस संबंध में जारी अधिसूचना दिनांकित 8 अगस्त व 6 सितंबर 1950 को माना गया है। उत्तराखंड में नवंबर 2001 में एक शासनादेश जारी किया गया, जिसमें स्थायी निवास प्रमाणपत्र का आधार 1985 कर दिया गया। तहसीलों से मूलनिवास प्रमाणपत्र के स्थान पर स्थायी निवास प्रमाणपत्र जारी होने लगे।

मूल रूप से जो लोग परंपरागत तरीके से जिस राज्य में रहते आये हैं वहीं के निवासी होंगे। भारत में जन्मा कोई भी व्यक्ति किसी राज्य में निवास कर सकता है। इस तरह व्यक्ति को नई जगह पर निवास करने, डाक पता, बिजली, पानी, गैस कनेक्शन, मतदाता पहचानपत्र, बैंक खाता खुलवाने, ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने, पासपोर्ट आदि कार्यों के लिए स्थानीय अधिवास प्रमाणपत्र की आवश्यकता होती है। परंपरागत तरीके से पीढ़ी दर पीढ़ी एक समाज और संस्कृति विशेष के भू–भाग पर रहने वाले लोग ही मूलनिवासी हो सकते हैं। यह बात चर्चा का विषय इसलिए बनी क्योंकि अन्य राज्यों के स्मार्ट लोगों ने राज्य स्थापना होते ही भ्रष्ट राज नेताओं/ अधिकारियों के संरक्षण में देहरादून, हरिद्वार, रुड़की, उधमसिंह नगर आदि मैदानी इलाकों में जमीनें खरीद ली या मकान बना लिए। इस तरह राज्यस्थापना वर्ष को आधार बनाकर सन 2000 तक उत्तराखंड में बसे लोग स्थायी निवासी हो गए। इसे एक उदाहरण से समझें। सेना में भर्ती होने के लिए गढ़वाली और कुमाउँनी युवकों को मार्शल कौम होने के कारण मानदंडों में कुछ छूट मिलती है। यदि बिहार, हरियाणा, राजस्थान के लंबे चौड़े लोग पुलिस में, गढ़वाल रेजीमेन्ट, या कुमाऊं रेजीमेंट में स्थायी निवास के आधार पर भर्ती होने लगे तो गढ़वाली और कुमाउनी युवाओं का चयन नही हो पायेगा। इसी प्रकार उ और ऊ कैटेगरी की नौकरियों में भी हिस्सेदारी बढ़ जाती है। यही नही मेडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, क्क्ळ, खेलकूद व अन्य प्रवेश परीक्षाओं में मूलनिवासी छूट या आरक्षण में भी हिस्सेदारी बढ़ जाती है। ऐसा नही कि मूल निवास संबंधी आंदोलन किसी अन्य के विरुद्ध हो, लेकिन 14 प्रतिशत कृषियोग्य भूमि में से पलायन व अन्य कारणों से लगभग 6 प्रतिशत भू–भाग पर ही कृषि जोत हो पा रही है, रोज़गार के अवसर बहुत कम हैं। उत्तराखंड अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं से जुड़ा हुआ है। इस क्षेत्र का हिमालय तभी सुरक्षित है जब स्थानीय लोग इन पर्वतीय गाँवों में रहेंगे।

राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार की योजनाएं पर्वतीय क्षेत्र के लिए अलग से होती हैं, जैसे ब्लॉक और ग्रामीण अभियंत्रण से संबंधित कार्य, पर्यटन व्यवसाय से जुड़े कार्य, कुटीर उद्योग को बढ़ावा योजना, एमएसएमई से जुड़े उद्योग धंधे, जड़ी बूटियों व स्थानीय वनस्पति से संबंधित कार्य, सरकारी का को करने के लिए ठेकेदारी, कृषि उपज से संबंधी सुविधाएं आदि। इनके अलावा उत्तराखंड राज्य में स्थापित हो रहे निजी क्षेत्र के विभिन्न निवेशों में स्थानीय निवासियों को आजीविका, नर्सिंग, मेडिकल, इंजीनियरिंग कॉलेजों में स्थानीय मूल निवासियों के लिए सीटों की सुनिश्चितता, अस्पतालों में सरकारी योजनाओं से मिलनेवाले लाभ, आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का क्षेत्र की जनता को मिलने वाला लाभ, दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य, शिक्षा और संचार योजनाओं का लाभ आदि में मूल निवासियों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। यहाँ तक कि प्रांतीय सेवाओं (ढउर) में चयन के लिए गढ़वाली और कुमाउनी बोलियों में धाराप्रवाह संवाद करने की अनिवार्यता होनी चाहिए। ऐसा करना इसलिए आवश्यक है क्योंकि उत्तराखंड एक सामान्य राज्य नही है। हिमालय को सुरक्षित बचाये और बनाये रखने के लिए पर्वतीय मूलनिवासियों का होना आवश्यक है, जिनका पर्वतों से आत्मीय लगाव है। सरकारी सेवाओं में स्थानीय उपयुक्त लोग चयन होकर आएंगे तो पलायन भी रुकेगा। उत्तराखंड की संस्कृति भी बचेगी और सीमाएं भी सुरक्षित होंगी। मूलनिवासी होना उस संबंधित व्यक्ति के लिए गौरव की बात होती है।

राज्यस्थापना के पिछले 23 वर्षों में उत्तराखंड ने बिना संसाधनों के पलायन आयोग बनाया। लेकिन पलायन रोकने के लिए कोई क्रांतिकारी कदम नही उठाये। उत्तराखंड के मैदानी भाग में जनसांख्यिकी में आशातीत परिवर्तन हुआ है। इसके लिए उत्तराखंड में भूमि क्रय–विक्रय सम्बन्धी कानून बनाया जाना चाहिए। सन 1991 की जनगणना के आधार पर (वर्तमान राज्य) उत्तराखंड क्षेत्र में निवास करने वाले लोगों की संख्या 71,13,483 थी जो 2001 की जनगणना में 84,89,349 हुई और 2011 कि जनगणना में यह संख्या 1,01,16000 दर्शाई गयी। इस दौर में स्थानीय मूलनिवासियों ने बहुत बड़ी संख्या में पलायन भी किया। यह पलायन तीन प्रकार से हुआ। पहले पलायन वे लोग शामिल हैं जो आजीविका का की तलाश में उत्तराखंड से बाहर निकले और कुछ वर्षों बाद बाहर, अन्य शहरों में बस गए। दूसरी श्रेणी में पलायन उन लोगों ने किया जो नौकरियों में हैं, अपने परिवार को अपने साथ रखते हैं। वे लोग देवपूजन के नाम पर दो साल तीन साल में अपना गाँव देखने आते हैं। तीसरी श्रेणी में वे लोग हैं जो अपने पर्वतीय गांवों से उत्तराखंड के मैदानी भागों में आकर बस गए हैं। वे लोग कभी कभी ब्याह बरात में शामिल होने अपने गांवों चले जाते हैं। लगभग 36 लाख से अधिक उत्तराखंडी दिल्ली में रहते हैं। अन्य प्रमुख स्थान जहाँ बड़ी संख्या में उत्तराखंडी हैं वे शहर हैं– लखनऊ, बनारस, प्रयागराज, नजीबाबाद, बिजनौर, मुरादाबाद, पीलीभीत, कानपुर, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद, चंडीगढ़, शिमला, पटियाला, जालंधर, लुधियाना, जयपुर, जोधपुर, भोपाल, अहमदाबाद, सूरत, आनंद, मुम्बई, एक अनुमान के अनुसार उत्तराखंड की 50 लाख से अधिक जनसंख्या स्थायी अथवा अस्थायी स्थिति में उत्तराखंड से बाहर निवास करती है। ऐसे लोगों के लिए प्रवासी शब्द का उपयोग किया जाता है क्योंकि मूलरूप से वे उत्तराखंडवासी हैं।

एक अनुमान के अनुसार इन 23 सालों में 35–40 लाख लोग दूसरे प्रान्तों से आकर उत्तराखंड में बस गए हैं। हाल के वर्षों मे नेपाली, बिहारी श्रमिक पर्वतीय क्षेत्र के गाँवों में रहने लगे हैं। सब्जी व फल के व्यवसाय में लगे नजीबाबाद, नगीना, धामपुर व अन्य मैदानी भागों के लोग धड़ल्ले से व्यवसाय चला रहे हैं। इनका व्यवसाय बदरीनाथ तक फैला हुआ है। अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, व गढ़वाल क्षेत्र में बड़ी संख्या में ये लोग कार्यरत हैं। उत्तराखंड से बड़ी संख्या में हिंसक पशुओं– बाघ, भालू आदि द्वारा उत्तराखंड में रहे रहे लोगों का निवाला बनाना और सुअर, बंदर आदि जानवरों द्वारा कृषि उपज और फलोद्यान को नष्ट करना भी है। इस कारण उत्तराखंड का मूल समूल उखड़ने को तैयार है। यदि मूलनिवासियों को आवश्यक सुविधाएं मिल जाय तो अपना घर कोई कुओं छोड़े ?भारत मे नागरिकता से संबंधित प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 2 –11 के अंतर्गत व्याख्यायित हैं। सामान्य नागरिकता अनुच्छेद 5 में वर्णित है। अतः भारत के किसी भी भूभाग पर जन्मा व्यक्ति भारत का नागरिक स्वतः हो जाता है। मूलनिवासी किसी क्षेत्र में युगों से पारंपरिक रूप से निवास करनेवाले लोग होते हैं। विभिन्न प्रान्तों में स्थानीय समस्याओं के कारण उपजी विसंगतियों का निवारण संविधान के अनुच्छेद 371 में संविधान संशोधन कर उपबंध के माध्यम से व्यवस्था की गई है। इस अनुच्छेद के उपबंधों में गुजरात, महाराष्ट्र, असम, सिक्किम,मिजोरम, नागालैंड, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश,गोवा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थाएं की गई हैं। पर्वतीय जनजीवन, समस्याएं और समाधान मैदानी भागों की तुलना में अत्यंत जटिल हैं। लगभग पूरा हिमालयी क्षेत्र किसी न किसी संविधान की विशिष्टता के अंतर्गत अलग पहचान रखता है। इसलिए बहुत सी मूल सुविधाओं का लाभ उत्तराखंड वासियों को तभी मिल सकता है जब यहाँ के जनजीवन के अनुरूप संवर्धन के अवसर मिले। हर हाथ को काम और हर व्यक्ति को नाम मिल जाय। मूलनिवास प्रमाणपत्र के सम्बंध में 20 नवंबर 2001को जारी शासनादेश जिसके माध्यम से स्थायी निवास प्रमाणपत्र की व्यवस्था की गई थी। इस व्यवस्था में शासनादेश संख्या 60 दिनांकित 28 सितंबर 2007 के अनुसार मूलनिवासियों को स्थायी निवास प्रमाणपत्र की आवश्यकता न होने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन व्यवहार रूप में ऐसा नही हो रहा था। इसी क्रम में 20 दिसंबर 2023 को उत्तराखंड प्रशासन द्वारा जारी किये गए आदेश में कहा गया है कि जिन प्रयोजनों के लिए स्थायी प्रमाणपत्र मांगा जाता है उन प्रयोजनों के लिएमूलनिवास प्रमाणपत्र धारकों को स्थायी निवास प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने के लिए बाध्य न किया जाय। यह सरकारी पक्ष है। आंदोलनकारी सभी सन्तुष्ट नही हुए, क्योंकि इस बात से जुड़े भू–कानून में संशोधन कर पर्वतीय समस्याओं का हल ढूंढना है। चिंतन और मनन के साथ दृढ़संकल लक्ष्य तक ले जा सकता है।

लेखक स्वतंत्र पत्रकार है।

डायबिटीज से लेकर हाई बीपी तक...सब रहेगा अंडर कंट्रोल

दिसंबर से लेकर जनवरी तक कड़ाके की ठंड पड़ती है. घरा कुहरा और कम तापमान मौसम में ठंडक बनाए रखता है. जिसका असर हेल्थ पर पड़ सकता है. इस मौसम में हार्ट पेशेंट से लेकर ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और डाइजेशन पाचन की समस्याओं और मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर वालों के कई चुनौतियों से गुजरना पड़ सकता है. यही कारण है कि ऐसे लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है. ठंड में सर्दी, फ्लू और सांस से जुड़ी दूसरी बीमारियां होना भी आम होता है. ऐसे में आइए जानते हैं सेहत को किस तरह ये दो महीने प्रभावित करते हैं...

सर्दी–जुकाम, फ्लू

जब भी तापमान में गिरावट होती है तो सर्दी–जुकाम और फ्लू की समस्याएं बढने लगती है. चूंकि इस मौसम में सूर्य की रोशनी कम मिल पाती है. जिससे विटामिन डी की शरीर में कमी होने लगती है और इम्यून पावर कमजोर होने लगता है. इससे बीमार होने का खतरा बढ़ जाता है. इनसे बचने के लिए ठंड से बचाव के उपाय करने चाहिए.

ब्लड प्रेशर बढ़ाएगा परेशानी

सर्दियों में ब्लड प्रेशर की समस्या तेजी से बढ़ते हुए देखी जाती है. सर्दी के मौसम में बीपी ज्यादा और गर्मी में लो होती है. दरअसल, कम तापमान के चलते रक्त वाहिकाएं अस्थायी रूप से संकीर्ण होते हैं. इससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है. संकुचित नसों और धमनियों के जरिए रक्त को प्रवाहित करने के लिए ज्यादा दबाव की जरूरत होती है. इसका हार्ट हेल्थ पर असर पड़ सकता है. इसी वजह से ठंड में हार्ट अटैक के केस ज्यादा पाए जाते हैं.

डायबिटीज मरीजों की बढ़ती है समस्या

सर्दियों में ब्लड प्रेशर ही नहीं डायबिटीज के मरीजों की परेशानी भी काफी हद तक बढ़ सकती है. तापमान में गिरावट होने के साथ कई डायबिटिक में ब्लड शुगर बढ़ जाता है. ठंडा मौसम शरीर का तनाव बढ़ा देता है, जिसके प्रतिक्रिया में शरीर ऊर्जा को बढ़ाने कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हामीन रिलीज करता है. ये हामीन इंसुलिन प्रोडक्शन को कम कर ब्लड शुगर लेवल के बढ़ाते हैं. इस स्थिति में किडनी, लिवर, हार्ट पर निगेटिव असर पड़ सकता है. इसे कंट्रोल में रखने शरीर को ठंड से बचाकर समय–समय पर दवाईयां लेते रहना चाहिए.

अस्थमा और सांस से जुड़ी समस्याएं

ऐसे लोग जो अस्थमा या सांस से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे हैं, उनके लिए दिसंबर–जनवरी का महीना कठिन हो सकता है. ठंडी, शुष्क हवाएं और मौसम में अचानक से आए बदलाव से बलगम जैसी समस्याएं बढ़ती हैं. जिससे अस्थमा ट्रिगर और हार्ट अटैक बढ़ सकता है.

लंबगांव में थर्टी फस्ट पर अंखड रामायण पाठ

नई टिहरी लंबगांव स्थित महेड देवता मंदिर में लंबगांव व्यापार मंडल की ओर से रविवार थर्टी फस्ट और सोमवार एक जनवरी को अखंड रामायण पाठ का किया जा रहा है। राज्य आंदोनकारी व पूर्व जिला पंचायत सदस्य देवी सिंह पंवार कहा कि युवा पीढ़ी थर्टी फस्ट और नये साल को को शराब पीकर मनाती है, युवाओं को नशे से दूर रखने के लिये लंबगांव व्यापार मंडल की ओर से थर्टी फस्ट और 1 जनवरी को अखंड रामायण का पाठ किया जा रहा है।

चोपड़ियाल गांव में पहुंचे डीएम ने ग्रामीणों की समस्यायें जानी

नई टिहरी। डीएम मयूर दीक्षित ने सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को चम्बा के चोपड़ियाल गांव का भ्रमण कर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के तैयार किये गये खाद्य उत्पादों एवं सेब उद्यानों का भी निरीक्षण किया।

चौपड़ियाल गांव पहुंचे डीएम दीक्षित ने रामकृष्ण डबराल की हिमालय नेचुरल फूड प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग यूनिट, ग्रामीण बचत केन्द्र, रमेश डबराल एवं खुशीराम के पालीहाउस एवं सेब उद्यान, सरस्वती शिशु मंदिर, पंचायत भवन, जन सेवा केन्द्र, भवान सिंह पुण्डीर के सोलर पावर प्लांट आदि का निरीक्षण किया। साथ ही प्रधान चोपड़ियाल गांव के कार्यालय में लोगों की जन समस्याओं को सुना। इस मौके पर डीएम ने कहा कि आगामी 1 जनवरी, 2024 को गांव में विशेष सफाई अभियान चलाकर सभी की सहभागिता से साफ–सफाई की जाय। चोपड़ियाल गांव में प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेस (पीएमएफएमइ) योजना के लाभार्थी रामकृष्ण डबराल के हिमालय नेचुरल फूड प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग यूनिट के निरीक्षण के दौरान यूनिट में तैयार किये जा रहे खाद्य पदार्थों को देखा तथा उसकी लागत, उत्पादन, मैनपावर व मार्केटिंग आदि के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि देश–विदेश में लोकल एवं जैविक उत्पादों की बहुत मांग है। यूनिट में तैयार किये जा रहे खाद्य पदार्थों में उनकी स्वाभाविकता बनी रहे और पैकेजिंग पर विशेष ध्यान दिया जाय। डीएम ने चूनापानी तोक में रमेश डबराल एवं खुशीराम के पॉलीहाउस एवं सेब फार्म को भी देखा गया। मुख्य कृषि अधिकारी व जिला उद्यान अधिकारी को जिला योजना वर्ष 2024–25 में फेंसिंग की धनराशि को बढ़ाते के निर्देश दिए। लाभार्थी रामकृष्ण डबराल ने बताया कि कृषि एवं उद्यान विभाग के सहयोग से उनकी दो यूनिट में लोकल एवं जैविक उत्पादों से निर्मित खाद्य पदार्थों की प्रोसेसिंग एवं मार्केटिंग की जा रही है। यूनिट में आंवला, मिर्च, गाजर, नीबूं, लहसून, अंजीर, माल्टा, सेब आदि का अचार, जूस, जैम तैयार किये जा रहे हैं। निरीक्षण के दौरान सीडीओ मनीष कुमार, प्रधान सीमा डबराल आदि मौजूद रहे।

दिव्यांग मतदाताओं के लिए बनाएं सुगम वातावरणः डीएम

नई टिहरी। लोकसभा 2024 के चुनाव में दिव्यांग मतदाताओं के लिए सुगम वातावरण बनाने को जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम मयूर दीक्षित ने जिला निगरानी समिति की बैठक ली। इस दौरान उन्होंने विकलांग वोटरों के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं बनाने के कड़े निर्देश दिए।जिला कलेक्ट्रेट के वीसी कक्ष में आयोजित डिस्ट्रिक्ट मॉनिटरिंग कमेटी फॉर एक्सेसीबल इलेक्शन (डीएमसीएई) की बैठक में दिव्यांग मतदाताओं के लिए सुगम वातावरण बनाने और उनकी शत प्रतिशत मतदान भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर चर्चा हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी दीक्षित ने सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी को आपसी समन्वय से एक सप्ताह में दिव्यांग मतदाताओं की पोलिंग स्टेशन वाइज मैपिंग करने के निर्देश दिये। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रेडक्रॉस समिति के सदस्यों और मुख्य शिक्षा अधिकारी को एनएसएस एवं एनसीसी के साथ ईएलसी की बैठक करने के निर्देश दिए।

ऑस्ट्रेलिया ने ट्रॉफी–अफगानिस्तान ने दिल जीते, रैंकिंग में भारत आगे, इन टीमों के नाम रहा 2023

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2023 अपने अंतिम पड़ाव पर है, लेकिन भारतीय टीम के लिए साल का सबसे मुश्किल दौरा बचा हुआ है। दक्षिण अफ्रीका की धरती पर जीत हासिल करना भारत के लिए मुश्किल होगा। हालांकि, इस साल भारत ने हर फॉर्मेट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है और इसका असर आईसीसी रैंकिंग में भी दिखता है। भारतीय टीम तीनों फॉर्मेट में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन आईसीसी ट्रॉफी जीतने का एक दशक लंबा सूखा अभी भी जारी है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम दो ट्रॉफी जीतने में सफल रही। विश्व कप में अफगानिस्तान जैसी टीमों ने भी कमाल किया। आइए जानते हैं कि 2023 का साल टेस्ट खेलने वाली क्रिकेट टीमों के लिए कैसा रहा।

भारत बनाम श्रीलंका भारतीय टीम ने इस साल तीनों फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने श्रीलंका और न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू वनडे और टी20 सीरीज में जीत के साथ साल की शुरुआत की। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया से अपने घर में टेस्ट सीरीज भी जीती, लेकिन वनडे में हार का सामना करना पड़ा। इस बीच टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भी टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। वेस्टइंडीज के दौरे में भारत ने तीनों फॉर्मेट में अच्छा प्रदर्शन किया। आयरलैंड के खिलाफ बी टीम ने टी20 सीरीज भी जीती। एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के साथ ही भारत ने फाइनल में श्रीलंका को रौंदते हुए खिताब अपने नाम किया। एशियाई खेलों में भी भारत ने स्वर्ण पदक जीता। वनडे विश्व कप में लगातार 10 मैच जीतकर भारत ने चैंपियन बनने की उम्मीद जगाई, लेकिन फाइनल में टीम इंडिया को निराशाजनक हार झेलनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के बाद अब भारत की कोशिश दक्षिण अफ्रीका दौरे में जीत हासिल करने की होगी।

ऑस्ट्रेलिया भारत की तरह ऑस्ट्रेलिया टीम ने हर सीरीज अपने नाम नहीं की, लेकिन अहम मुकाबलों को जीतने में यह टीम सफल रही। ऑस्ट्रेलिया ने इस साल दो आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की और दोनों बार फाइनल में भारत को हराया। पहले जून में कंगारू टीम टेस्ट चैंपियनशिप अपने नाम करने में सफल रही फिर नवंबर में वनडे विश्व कप भी जीता। द्विपक्षीय सीरीज की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया को भारत में टेस्ट सीरीज में हार झेलनी पड़ी, लेकिन वनडे सीरीज में जीत मिली। इसके बाद इंग्लैंड में एशेज सीरीज 2–2 से बराबरी पर छूटी। इस वजह से एशेज ट्रॉफी कंगारू टीम के पास बनी रही, क्योंकि पिछली सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने जीती थी। विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज जीतने वाली कंगारू टीम वनडे सीरीज हार गई और विश्व कप में भी खराब शुरुआत की, लेकिन लगातार नौ मैच जीतकर दमदार वापसी की और ट्रॉफी भी अपने नाम की। अंत में भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को हार मिली, लेकिन इसमें कई अहम खिलाड़ी नहीं थे। अब ऑस्ट्रेलिया की कोशिश पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जीत हासिल करने की होगी।

दक्षिण अफ्रीका दक्षिण अफ्रीका के लिए भी यह साल काफी बेहतर रहा। यह टीम विश्व कप के सेमीफाइनल तक पहुंचने में सफल रही, लेकिन एक बार फिर खिताब जीतने से चूक गई। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में जीत के साथ साल की शुरुआत करने वाली अफ्रीकी टीम ने वेस्टइंडीज को तीनों फॉर्मेट में हराया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज हारने के बाद वनडे सीरीज जीती और विश्व कप में भी शानदार शुरुआत की। कई रिकॉर्ड बनाते हुए यह टीम सेमीफाइनल में पहुंची, लेकिन यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार झेलनी पड़ी। अब यह टीम भारत के खिलाफ सीरीज जीतने की तैयारी में जुटी हुई है।

न्यूजीलैंड हमेशा की तरह न्यूजीलैंड की टीम ने इस साल भी अच्छा प्रदर्शन किया। वनडे विश्व कप में यह टीम सेमीफाइनल तक पहुंची, लेकिन मेजबान भारत से हारकर ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा नहीं कर पाई। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान में वनडे सीरीज जीतने के साथ साल की शुरुआत की थी। इसके बाद भारत से वनडे और टी20 सीरीज हार गई, लेकिन इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज और श्रीलंका से तीनों फॉर्मेट में सीरीज जीती। पाकिस्तान जाकर टी20 सीरीज में बराबरी की, लेकिन वनडे में हार झेलनी पड़ी। इंग्लैंड से भी टी20 सीरीज में बराबरी की, लेकिन वनडे सीरीज में हार झेलनी पड़ी। बांग्लादेश में वनडे सीरीज जीतने के बाद विश्व कप में सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। अब यह टीम बांग्लादेश के दौरे में कमाल करने की कोशिश करेगी।

अफगानिस्तान अफगानिस्तान के लिए 2023 का साल बेहद शानदार रहा। इस टीम ने कोई खिताब नहीं जीता, लेकिन विश्व क्रिकेट में अपना दबदबा बढ़ाया और कमजोर टीम का टैग खत्म किया। यूएई के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के बाद पाकिस्तान से भी टी20 सीरीज जीती। श्रीलंका से वनडे सीरीज हारे, लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ जीते। टी20 में बांग्लादेश और वनडे में पाकिस्तान से हारने के बाद एशिया कप में भी सभी मैच गंवा दिए, लेकिन एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन किया। वनडे विश्व कप में इंग्लैंड, श्रीलंका, अफगानिस्तान और नीदरलैंड पर जीत के बाद सेमीफाइनल की उम्मीदें जगाई, लेकिन अहम मैच हार गई। विश्व कप में अफगानिस्तान ने कमजोर टीम का टैग खत्म किया। अब यह टीम भारत के खिलाफ टी20 सीरीज से साल की शुरुआत करना चाहेगी।

पाकिस्तान पाकिस्तान के लिए यह साल कुछ खास नहीं रहा। वनडे विश्व कप में टीम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पाई। अफगानिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ हार के चलते बाबर आजम को तीनों फॉर्मेट में कप्तानी छोड़नी पड़ी। साल की शुरुआत में यह टीम न्यूजीलैंड से वनडे और अफगानिस्तान से टी20 सीरीज हार गई। न्यूजीलैंड से टी20 सीरीज बराबरी पर छूटी, लेकिन वनडे में जीत मिली। श्रीलंका को टेस्ट और अफगानिस्तान को वनडे में हराया, लेकिन एशिया कप में यह टीम भारत और श्रीलंका से हार के चलते सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच पाई। एशियाई खेलों में भी पाकिस्तान कुछ खास नहीं कर सका। वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ हार के चलते पाकिस्तान अंतिम चार में भी नहीं पहुंच सका। अब यह टीम ऑस्ट्रेलिया में दमदार प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी।

बांग्लादेश साल 2023 में बांग्लादेश की टीम कुछ खास नहीं कर सकी। लगभग अपने आधे मैच जीतने वाली बांग्लादेश की टीम को अहम मैचों में हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड से हारने के बाद इस टीम ने अफगानिस्तान और आयरलैंड को हराया। हालांकि, एशिया कप और विश्व कप में इस टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भी बांग्लादेश को हार झेलनी पड़ी। अब यह टीम 2023 में नई शुरुआत करने की कोशिश करेगी।

श्रीलंका श्रीलंकाई टीम के लिए 2023 का साल बेहद खराब रहा। अंदरूनी विवादों की वजह से आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड को निलंबित कर दिया। वहीं, पूरे साल टीम का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। यह टीम लगातार गर्त में जा रही और वेस्टइंडीज की तरह बड़ी टीम का टैग लगभग खो चुकी है। इस साल श्रीलंका को पहले भारत के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज गंवानी पड़ी। इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ तीनों फॉर्मेट में हार मिली। आयरलैंड से टेस्ट और अफगानिस्तान से वनडे सीरीज जीतने के बाद श्रीलंका ने विश्व कप के क्वालिफाइंग मैच भी जीते, लेकिन बड़ी टीमों के खिलाफ हमेशा निराश किया। एशिया कप और विश्व कप में यह टीम कोई चुनौती नहीं पेश कर पाई। अब श्रीलंका की कोशिश अपनी अंदरूनी समस्याएं खत्म कर आईसीसी की नियमित सदस्यता हासिल करने की होगी और टीम अपने प्रदर्शन में भी सुधार करना चाहेगी।

क्या दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में नहीं खेलेंगे शार्दुल ठाकुर?

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला तीन जनवरी से खेला जाएगा। केप टाउन में होने वाले इस मैच को जीतकर टीम इंडिया सीरीज 1–1 की बराबरी पर समाप्त करना चाहेगी। सेंचुरियन में मेजबान टीम ने पहले टेस्ट को पारी और 32 रन से अपने नाम कर लिया था। भारत ने दूसरे मुकाबले के लिए तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। शनिवार (30 दिसंबर) को वैकल्पिक अभ्यास सत्र रखा गया था। इस दौरान ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर चोटिल हो गए थे।

कहा जा रहा था कि शार्दुल दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। उनकी चोट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शार्दुल की स्थिति ठीक है। शनिवार को सेंचुरियन में अभ्यास सत्र के दौरान उन्हें बाएं कंधे में चोट लगी थी। चोट के बाद उन्होंने आराम किया और वह अब पूरी तरह ठीक हैं। भारतीय टीम के मेडिकल स्टाफ ने किसी इलाज की सिफारिश नहीं की है और शार्दुल का कोई स्कैन भी नहीं हुआ है। चोट लगने के बावजूद शार्दुल ने बल्लेबाजी जारी रखी थी।

भारत पहला टेस्ट तीन दिनों के भीतर हार गया था। शार्दुल का प्रदर्शन औसत रहा था। उन्होंने बल्लेबाजी में पहली पारी में 24 और दूसरी पारी में दो रन बनाए थे। वहीं, गेंदबाजी में शार्दुल को पहली पारी में एक सफलता मिली थी। दक्षिण अफ्रीका को दूसरी पारी खेलने की जरुरत ही नहीं पड़ी थी। अब दूसरे टेस्ट में शार्दुल को अगर

अभ्यास सत्र में लगी थी चोट

मौका मिलता है तो टीम इंडिया को उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

सेंचुरियन में वैकल्पिक अभ्यास सत्र में केवल सात से आठ खिलाड़ी ही शामिल हुए। इनमें शार्दुल के अलावा कप्तान रोहित शर्मा, रविचंद्रन अश्विन, यशस्वी जयसवाल, मुकेश कुमार, प्रसिद्ध कृष्णा और केएस भरत शामिल थे। सभी कोच इस दौरान वहां मौजूद थे। दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया की प्लेइंग–11 में बदलाव देखने को मिल सकता है। बड़ा सवाल यह है कि क्या टीम प्रसिद्ध कृष्णा को बरकरार रखेगी? उन्होंने पहले टेस्ट में डेब्यू किया था और सिर्फ एक ही विकेट ले पाए थे। वह काफी महंगे साबित भी हुए थे। उन्होंने 20 ओवर में 4.70 की इकोनॉमी रेट से 93 रन भी लुटाए थे। तेज गेंदबाज का प्रदर्शन जांच के दायरे में आ गया है और टीम प्रबंधन के सामने विकल्पों में मुकेश कुमार और अवेश खान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त माना जा रहा है कि पीठ की जकड़न के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल पाने वाले रवींद्र जडेजा भी चयन के लिए उपलब्ध होंगे।

न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 17 रन से हराया, तीन मैचों की सीरीज 1–1 से बराबर

माउंट मॉन्गानुई, एजेंसी। बांग्लादेश को न्यूजीलैंड टी–20 श्रृंखला के तीसरे और आखिरी मुकाबले में बारिश के कारण डकवर्थ लुईश नियम के तहत रविवार को 17 रन से हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के बीच टी–20 सीरीज बराबरी पर रही। आज यहां न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने तीसरे टी–20 मुकाबले में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के आगे संघर्ष करती देखी गई और पूरी टीम 19.2 ओवर में 110 रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

बांग्लादेश की ओर से कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने सबसे अधिक 17 रन बनाए। तौहीद ने 16, आफिफ हुसैन ने 14 रन जोड़े। बांग्लादेश का कोई भी खिलाड़ी 20 रन के स्कोर को छू भी नहीं पाया और उसके छह खिलाड़ी 10 रन से कम के स्कोर पर आउट हो कर पवेलियन लौट गए। न्यूजीलैंड की ओर से कप्तान मिचेल सेंटनर ने चार ओवर में 16 रन देकर चार बल्लेबाजों को आउट किया। टिम साउदी, बेन सियर्स और एडम मिल्ने को एक–एक विकेट मिला।111 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड की पारी की शुरुआत बेहद खराब रही। एक समय न्यूजीलैंड ने 49 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे। उसके चार खिलाड़ी एक–एक रन बनाकर आउट हुये। उसके बाद कप्तान सेंटनर ने जिमी नीशम के साथ पारी को संभाला। फिन एलेन ने न्यूजीलैंड के लिए सबसे अधिक 38 रन बनाए। जिमी नीशम 28 रन और कप्तान सेंटनर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। जब टीम का स्कोर 14.4 ओवर में पांच विकेट पर 95 रन तक पहुंचा दिया था।

आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने भारत के जबड़े से छीनी जीत

सीरीज में 2–0 से बनाई बढ़त

मुंबई, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया वूमंस टीम ने दूसरे वनडे मैच में भारत को तीन रन से हरा दिया। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने तीन वनडे मैचों की सीरीज में 2–0 की अजेय बढ़त बना ली है। पहले वनडे में ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट से जीत हासिल की थी। शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

टीम ने 50 ओवर में 8 विकेट खोकर 258 रन बनाए। जवाब नें भारतीय टीम 50 ओवर में 8 विकेट खो कर 255 रन ही बना सकी। फीब लीचफिल्ड (63), एलिस पेरी (50) ने अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, एनाबेल सदरलैंड को 3 विकेट मिले। भारत से दीप्ती शर्मा ने 5 विकेट लिए और ऋचा घोष 96 रन बना कर शतक चूक गई। सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला वानखेड़े स्टेडियम में 2 जनवरी को होगा। इसके बाद दोनों टीम 3 टी–20 मुकाबलों की सीरीज खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत कप्तान एलिसा हीली और फीब लीचफिल्ड ने की।

हीली 13 रन बना कर पैवेलियन लौटी, वे पूजा वस्त्राकर का शिकार बनी। तीसरे नंबर पर एलिस पेरी आई और फीब के साथ पारी को संभाला। दोनों बैटर्स के बीच 77 रन की साझेदारी हुई। 24वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने पेरी का विकेट ले कर इस साझेदारी को तोड़ा। पेरी 50 रन बना कर पैवेलियन लौटीं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com